



15/3/2015

हजारों व अवकाश के सुख के विवेकता से  
आप्त होने के लिये यह नमोना  
कुल 16 लाख के लिये कि 125 रु  
तकमील जल सफाई = चालू रखिदी  
छात के लिये 5000/- नकद वस्त  
वफाता रखिदी मागा है 16600/- कुल  
21600/- रुपया  
आरिजी उक्त नकद 161 रुकवा 2-10-15  
लगता 10-35 बजे रात वरतपुरा में केरा  
1 मागा है वही 2 अफगाणुल हिस्सा जेगा है

15/3/2015

समाधि लेखक का नाम सहेरा चन्द्र पकसेन अनुसंधान  
लेखक 10 दिनांक 31-3-02 तक विधि माध्य  
विश्व वरेजी तथा बड़ेजी की तह्नी पौष 15-00-

महेश नन्द लखोटा बड़ेजी दिनांक 17-6  
दस्तावेज लेखक का दस्तावेज 01

100Rs.



1513333333

को लाइव ले बिना बिना  
अपनी के कारिदा बदली कर दिमा में  
अधिकार बदल गया, यानी उलटल  
अगर कोई भी कारिदा इन बिना में  
मिली भी जमा की कारिदा कर  
मा सम्पत्ति पर जो यादा जोव या  
अपने बिना की कारिदा है सम्पत्ति  
उप मा उपका के श क. ५।।  
वरीदा के बिना जोव या  
सीलिग में निम्नल जोव तो उप  
हक की पुर्नदारी म तमा म

500Rs.



21600/-

21600/- इक्कीस हजार बीस

हजार जितनी आधी 10000/- दस

हजार आठ बीस रुपया होत है में बदल

अरु सुरेश चन्द्र कुल अरु

राम सुंदर लाल बिबली कलवा

बेड़ी माधलाल रागलीला पगल

माधलाल डाकवाना न लक्ष्मीला बेड़ी

जिला बरेली के नम कुलद को

आरु बेचरी जेठ लाला लुल

उपनिषद 256 कुल न बदल

लक्ष्मीला जेठ वरदल माकल

श्री 2 वरदल हजार न बदल

500Rs. 2



15/12/2024

आता < ६ दिवसा पुराने (वाक्यात),  
लगान 10-35 रुपया हुनले दोष

आधी न मानली बाक्य गान

नरु पुरा न गाना २६

नरुली बढी उला बरेली का आधा

नरुली नरु रुपया हुनले दिसा का

न नरुली नरु रुपया हुनले दिसा का

नरुली नरु रुपया हुनले दिसा का

नरुली नरु रुपया हुनले दिसा का

नरुली नरु रुपया हुनले दिसा का



$\rho_2 = 750 \text{ kg/m}^3$

सू. २३ प-५ ५६ म. राज ठाकुर लाल नि. वं. श्री. रामलाल लाल

21600

23( )

57

54

2367

श्री ३५५६८ पुत्र (11/12/24) पेशा व्यवसाय  
ने. नि. पत्र 1803 दि. 15/12/24 तहसील बहेड़ी  
ने. क. र. अ. उप निदेशक बहेड़ी से आज व दिनांक 17-6-81  
ने. व. समय 1.42 प्रस्तुत किया।

६० वि०

17-6-81

30

पुष्पाजील दस्तावेज न समुल्लेखी सु. 21.6.00/- 501-02/2 समुल्लेखी 2.

16.6.2022 :- मीठ टाटने वः मीठ -  
 लवये नकद मेरे

स. ज. न. ल. पत्रिका टा. क. श्री

(3)  $\{a_1, a_2, \dots, a_n\}$

ने बाद भली प्रकार सुनने व समझने में समर्थ न होने के कारण

जिनको पहचान था ... वेजेंडा जंटेल् पु. जमा. १०५७

पेशा चाही नि. क. शिंदे वर. तह. २८५

व श्री नरेश चन्द्र पुत्र महाशय धर्मदेव

नि. २ सह. २५.०१ ने की

४० नि० बहेली

12-6-81

3. Cyrtocarpus

2. विजय पुराण

7

बच्चों के चिन्ह अंगुष्ठ नियमानुसार लिये गए. A22

ड० वि० 12-6-81